दाग क्या है? एक बाइबल आधारित दृष्टिकोण

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

बाइबल में “दाग” का अर्थ एक शारीरिक या आत्मिक दोष होता है, जो किसी व्यक्ति, बलिदान या वस्तु को परमेश्वर के सामने स्वीकार्य नहीं बनाता। यह शब्द पुराने नियम में बार-बार आता है, जहाँ परमेश्वर के लिए लाई गई बलि “दाग रहित” होनी चाहिए — जो पवित्रता, शुद्धता और सम्पूर्णता का प्रतीक है (लैव्यवस्था 1:3, ERV-HI)। नए नियम में यह बात आत्मिक स्तर पर लागू होती है — विश्वासियों को बुलाया गया है कि वे नैतिक और आत्मिक रूप से दाग रहित जीवन जीएँ, क्योंकि वे मसीह से मिलने की तैयारी कर रहे हैं।

“दाग” का वास्तविक अर्थ

दाग का अर्थ है कोई भी दोष, कलंक या कमी जो किसी वस्तु की पूर्णता या पवित्रता को भ्रष्ट कर दे। व्यावहारिक रूप से, यह किसी व्यक्ति के चेहरे पर फोड़ा हो सकता है जो उसकी सुंदरता को बिगाड़ देता है, छत की चादर में छेद हो सकता है जिससे वह उपयोग के योग्य न रहे, या एक सफेद कमीज़ पर दाग हो सकता है जो उसे पहनने के योग्य न बनाए।

आत्मिक रूप से, दाग वह नैतिक या धार्मिक दोष है — जैसे पाप, दिखावा या अधर्म — जो किसी विश्वासयोग्य को परमेश्वर की सेवा के लिए अयोग्य बना देता है या उसे परमेश्वर की संगति से बाहर कर देता है।

दाग क्या है? एक बाइबल आधारित दृष्टिकोण

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

पुराने नियम में दाग: अस्वीकार्यता का प्रतीक

पुराने नियम में बलिदानों को निर्दोष और बिना दाग के होना आवश्यक था:

लैव्यवस्था 1:3 (ERV-HI):
“यदि वह होम बलि के रूप में गाय-बैल की बलि चढ़ाना चाहता है,
तो वह एक निर्दोष नर पशु लाए और उसे मिलापवाले तंबू के द्वार
पर ले आये, जिससे वह यहोवा को प्रसन्न करे।”

यह आवश्यक नियम भविष्य में आने वाले मसीह — उस पूर्ण और पवित्र बलिदान — का प्रतीक था। पुराने नियम में शारीरिक दोष उस गहरे आत्मिक दोष की ओर इशारा करते थे जिन्हें परमेश्वर यीशु के माध्यम से हटाएगा।

मसीह: वह पूर्ण बलिदान जिसमें कोई दाग नहीं

यीशु ने अपने निष्पाप जीवन और बलिदान से “दाग रहित” बलिदान की आवश्यकता को पूरा किया:

दाग क्या है? एक बाइबल आधारित दृष्टिकोण

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

1 पतरस 1:18-19 (ERV-HI):
“क्योंकि तुम जानते हो कि तुम पुराने ढंग के जीवन से, जिसे तुम्हारे पूर्वजों से पाया था, चाँदी या सोने जैसी नाशमान वस्तुओं के द्वारा नहीं, बल्कि मसीह के बहुमूल्य लहू के द्वारा छुड़ाए गए हो, वह मसीह जो एक निर्दोष और निष्कलंक
मेमना है।”

क्योंकि मसीह पाप रहित था, उसका बलिदान परमेश्वर के लिए ग्राह्य था। अब उसमें विश्वासियों को भी उसी पवित्रता को प्रतिबिंबित करने के लिए बुलाया गया है।

विश्वासियों को भी दाग रहित होना चाहिए

परमेश्वर चाहता है कि उसकी कलीसिया — मसीह के द्वारा छुटकारा पाए लोग — आचरण और चरित्र में भी दाग रहित हों। आत्मिक दागों में छुपे हुए पाप, दिखावा और नैतिक पतन शामिल हैं।

कुलुस्सियों 1:21–22 (ERV-HI):
“पहले तुम अपने बुरे व्यवहार और अपने मन की शत्रुता के कारण परमेश्वर से दूर थे। लेकिन अब उसने मसीह के देह के द्वारा,
जो मृत्यु के द्वारा बलिदान हुआ, तुम्हें परमेश्वर के साथ मेल कर दिया है। अब वह चाहता है कि तुम उसके सामने पवित्र,

दाग क्या है? एक बाइबल आधारित दृष्टिकोण

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

निष्कलंक और निर्दोष बन कर खड़े हो।”

यह किसी मानवीय प्रयास से नहीं, बल्कि मसीह में बने रहने, मन फिराव, आज्ञाकारिता और विश्वास से संभव है।

आज के आत्मिक दागों के उदाहरण

– एक विश्वासी जो कलीसिया में सेवा करता है लेकिन गुप्त रूप से यौन पाप में जी रहा है या विवाह से पहले साथी के साथ रह रहा है।
– एक युवा अगुआ जो बाहर से धार्मिक दिखता है लेकिन छिपकर अश्लील सामग्री देखता है या इंटरनेट पर बेईमानी करता है।
– एक विश्वासी जो उपवास करता है, प्रार्थना सभाओं में जाता है लेकिन कार्यालय में रिश्वत लेता है।

ऐसी जीवनशैली आत्मिक दागों को दर्शाती है जो हमें पवित्र जीवन और मसीह का सच्चा प्रतिनिधित्व करने से अयोग्य बना देती हैं।

परमेश्वर एक दाग रहित कलीसिया के लिए आ रहा है

कलीसिया को बाइबल में मसीह की दुल्हन कहा गया है, और मसीह उस दुल्हन के लिए लौटेगा जो पवित्र और निर्दोष हो।

दाग क्या है? एक बाइबल आधारित दृष्टिकोण

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

इफिसियों 5:27 (ERV-HI):
“वह ऐसा इसलिए कर रहा है ताकि वह कलीसिया को अपने सामने एक तेजस्वी कलीसिया के रूप में प्रस्तुत कर सके, जो पवित्र और निर्दोष हो जिसमें न कोई दोष हो, न कोई दाग, न झुर्री, न और
कोई चीज़।”

इसका अर्थ है कि हमें निरंतर परमेश्वर के वचन और पवित्र आत्मा के द्वारा शुद्ध होते रहना है।

शुद्ध और निर्दोष जीवन जीने का आह्वान

हमें परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करते हुए ऐसा जीवन जीना है जिसमें कोई दाग या दोष न हो:

1 तीमुथियुस 6:13–14 (ERV-HI):
“मैं तुम्हें परमेश्वर के सामने… यह आज्ञा देता हूँ कि तुम हमारे प्रभु यीशु मसीह के प्रकट होने तक इस आज्ञा को निष्कलंक और निर्दोष रूप में मानते रहो।”

दाग क्या है? एक बाइबल आधारित दृष्टिकोण

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

और:

याकूब 1:27 (ERV-HI):
“शुद्ध और निर्दोष धर्म, जिसे परमेश्वर हमारा पिता स्वीकार करता है, यह है: अनाथों और विधवाओं की उनके दुख में देखभाल
करना और अपने आपको संसार से अशुद्ध होने से बचाए रखना।”

यह प्रकार का धर्म कोई बाहरी रस्म नहीं, बल्कि सच्चा संबंध, नैतिकता और आत्म-संयम है।

इब्रानियों 9:14 (ERV-HI):
“तो फिर मसीह का लहू, जिसने अपने आप को शाश्वत आत्मा के द्वारा परमेश्वर को एक निर्दोष बलिदान के रूप में चढ़ाया, हमारे अंत:करण को उन कामों से क्यों नहीं शुद्ध करेगा जो मृत्यु की ओर ले जाते हैं, ताकि हम जीवित परमेश्वर की सेवा करें?”

2 पतरस 2:13 (ERV-HI):
“उनके बुरे कामों के लिए उन्हें दंड मिलेगा… वे दाग और कलंक

दाग क्या है? एक बाइबल आधारित दृष्टिकोण

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 7

हैं, जो दिन-दहाड़े रंगरलियाँ मनाते हुए तुम्हारे साथ भोज
करते हैं।”

ये आयतें हमें यह गंभीरता से समझने में मदद करती हैं कि परमेश्वर चाहता है कि हम पवित्र, निर्मल और तैयार जीवन जिएँ — मसीह की वापसी के लिए।

आइए हम परमेश्वर के अनुग्रह से ऐसे विश्वासी और ऐसी कलीसिया बनने का प्रयास करें, जिन्हें मसीह बिना दाग, बिना कलंक और बिना दोष के पाकर प्रसन्न हो। हमारा जीवन परमेश्वर के लिए एक जीवित बलिदान हो, पवित्र और स्वीकार्य (रोमियों 12:1)।

प्रभु आपको आशीर्वाद दे और पवित्रता में चलने के लिए सामर्थ्य प्रदान करे।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp